http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 73

प्रयागराज शुक्रवार 29 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

प्रियंका गांधी ने लोकसभा में शपथ ली

● आज से संसद में तीनों गांधीः प्रियंका का 52 साल की उम्र में डेब्यू, संविधान की प्रति लेकर ली सांसद पद की शपथ

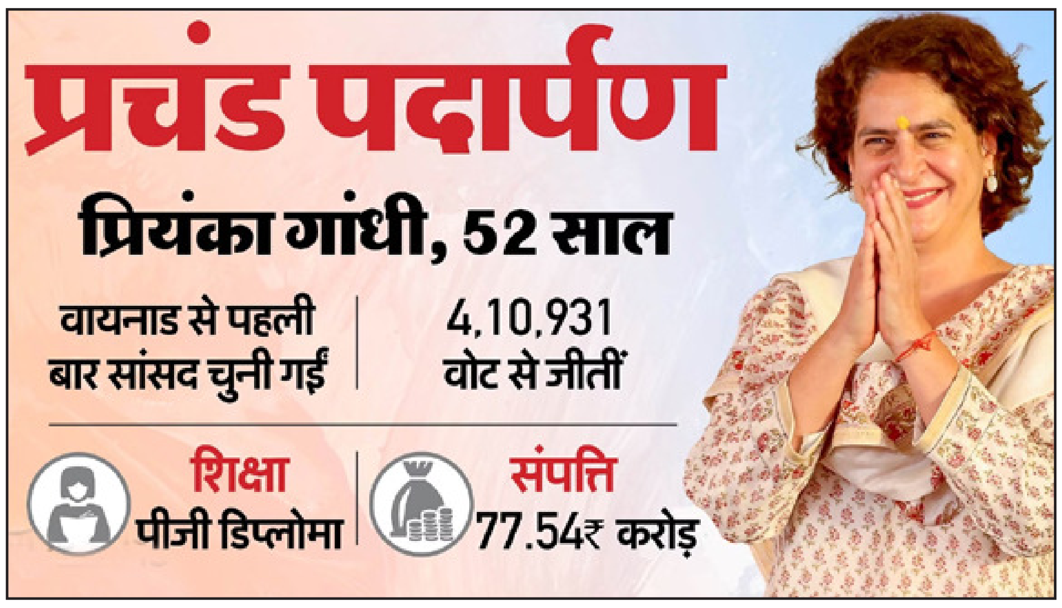

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में विजय घोषित कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज लोकसभा की सदस्यता ग्रहण की। लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई अध्यक्ष ओम बिरला ने उनका नाम पुकारा और उन्हें लोकसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। श्रीमती वाड्रा ने चार लाख से अधिक मतों के अंतर से वायनाड सीट पर जीत दर्ज की है। आम चुनाव में उनके भाई राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली संसदीय सीट के साथ ही यह सीट जीती थी लेकिन उन्होंने बाद में इस सीट से इस्तीफा दे दिया और अपनी बहन प्रियंका को चुनाव मैदान में उतारा। इससे पहले श्रीमती वाड्रा के साथ उनकी मां तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और उनके भाई राहुल गांधी संसद भवन परिसर में पहुंचे। बाद में वह अपने भाई राहुल गांधी के साथ लोकसभा में गई जहां उन्हें सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने अपने चुनावी डेब्यू में ही शानदार आगाज किया है। उन्होंने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के बाद उनकी बहन प्रियंका गांधी यहां चुनावी मैदान में उतरी थीं। केरल के वायनाड से उपचुनाव जीत कर आईं प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज संसद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। प्रियंका गांधी जब पद और गोपनीयता की शपथ ले रही थीं, तो उनके भाई राहुल और मां सोनिया भी वहां बतौर सांसद मौजूद थीं। शपथ ग्रहण के बाद प्रियंका भी उन नेताओं की फेहरिस्त में शुमार हो गईं, जिनके परिवार का एक न एक सदस्य संसद के किसी भी सदन का सदस्य है। इसके अलावा एक रोचक तथ्य यह भी है कि आज से संसद में बतौर सांसद तीनों सोनिया गांधी , राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मौजूद रहेंगे। सोनिया राज्यसभा की सदस्य हैं, जबकि राहुल और प्रियंका लोकसभा की सदस्य हैं। वायनाड में बड़ी जीत हासिल कर संसद में ली एंट्री कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने हाल ही में वायनाड लोकसभा उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के बाद उनकी बहन प्रियंका गांधी यहां चुनावी मैदान में उतरी थीं। करीब साढ़े तीन दशक का खुद का राजनीतिक अनुभव बताने वाली प्रियंका पहली बार चुनावी राजनीति में दाखिल हुईं और वायनाड से उपचुनाव लड़ा। वायनाड में प्रियंका ने माकपा के सत्यन मोकेरी को चार लाख से अधिक वोट से हराया। प्रारंभिक जीवन की शुरुआत प्रियंका गांधी का जन्म 12 जनवरी, 1972 को नई दिल्ली में हुआ था। उनकी स्कूली शिक्षा की शुरुआत देहरादून के वेल्हम गर्ल्स स्कूल से हुई थी।

लेकिन 1984 में इंदिरा गांधी की मौत के बाद पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी और सुरक्षा कारणों से दिल्ली के कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरी स्कूल से 1989 तक अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की।

रानी दुर्गावती जैसी वीरांगनाओं की धरती है बुंदेलखंडः सीएम

● बांदा पहुंचे सीएम योगीः मेडिकल कॉलेज में रानी दुर्गावती की प्रतिमा का किया अनावरण

बांदा,(एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ आज बांदा व चित्रकूट दौरे पर हैं। बांदा पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने मेडिकल कॉलेज में रानी दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण किया। उनके साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड वीरांगनाओं की धरती है। हम इसे शत–शत नमन करते हैं। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में निर्धारित समय से करीब 40 मिनट पूर्व पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर सुबह 10.30 बजे उतरा। यहां सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद व नरैनी विधायक ओममणि वर्मा, जिलाध्यक्ष संजय सिंह, उपाध्यक्ष प्रेम स्वरूप द्विवेदी, संतोष गुप्ता आदि ने उनका स्वागत किया। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज गेट पर स्थापित रानी दुर्गावती की प्रतिमा का उन्होंने लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड विकास की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। महिलाओं व बेटियों को घर–घर पानी मिल रहा है। जल शक्ति राज्यमंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना सहित कई भाजपा के कद्दावर नेता यहां मौजूद रहे।

संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे ने पूरे देश में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन

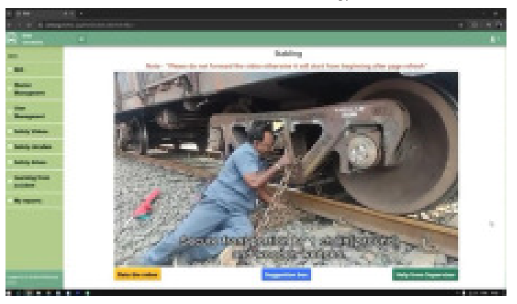

लांच करके यात्री संरक्षा की दिशा में एक और कदम उठाया। इस एप्लीकेशन का उद्देश्य भारतीय रेलवे के फ्रंटलाइन संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से रेल संरक्षा में सुधार करना है। रेलवे बोर्ड के सदस्य परिचालन और व्यवसाय विकास रविंदर गोयल ने आज सभी मंडल रेल प्रबंधक, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ,प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक और भारतीय रेल के सभी मंडलों के अधिकारियों की उपस्थिति में संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लांच किया। इस एप्लीकेशन को 2013 बैच के आईआरटीएस अधिकारी श्री दिलीप सिंह ने डिजाइन किया है। जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। इस अवसर पर नागपुर मंडल की डीआरएम नमिता त्रिपाठी ने नागपुर मंडल में पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के बारे में बात की और बताया कि यह किस तरह से मंडल में सुरक्षा बढ़ाने में उपयोगी साबित हुआ है। अब रेलवे ने सभी जोनल रेलवे में इस एप को लांच करने का निर्णय लिया है। जिसमें 16 मंडलों को शुरू में रोलआउट के लिए चुना गया है। यह एप्लीकेशन भारतीय रेलवे के विषय संबंधी ज्ञान को सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स और भविष्य में आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के संभावित लाभ के साथ एकीकृत करता है, ताकि रेलवे कर्मचारियों की प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बुद्धिमान, प्रभावी और स्केलेबल प्रणाली प्रदान की जा सके। इसमें स्मार्ट लर्निंग और फीडबैक मैकेनिज्म की सुविधा है जो बहु–स्तरीय, वास्तविक समय फीडबैक और निगरानी को संभव बनाता है।

हमारी लड़ाई अटल है, अविराम हैः सोरेन

● शपथ ग्रहण समारोह से पहले हेमंत सोरेन का ट्वीट
● पढ़ाई बीच में छोड़ी, पहला ही चुनाव हार गए, अब रिकॉर्ड चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगे हेमंत सोरेन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। हेमंत सोरेन गुरुवार को चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बनेंगे। 2009 के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में वह दुमका सीट से पहली बार विधायक चुने गए थे। जुलाई 2013 में हेमंत ने पहली बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। झारखंड में गुरुवार को नई सरकार की ताजपोशी होगी। हालिया विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन गुरुवार को चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सोरेन को इसी साल 31 जनवरी को जमीन घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था जिसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि, जेल से बाहर आने पर हेमंत ने 4 जुलाई को चंपई सोरेन की जगह ली। 23 नवंबर को आए नतीजों के बाद फिर वह मुख्यमंत्री बनेंगे। आइये जानते हैं हेमंत सोरेन और उनके सियासी सफर के बारे में... कौन हैं हेमंत सोरेन? झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। वे राज्य के तीन बार के सीएम शिबू सोरेन के बेटे हैं। हेमंत सोरेन के प्रारंभिक जीवन को देखें तो उनका जन्म 10 अगस्त 1975 को शिबू सोरेन और रूपी सोरेन के घर हुआ था। हेमंत ने 1990 में पटना के एमजी हाई स्कूल से मैट्रिक की पढ़ाई की। इसके बाद 1994 में पटना हाई स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने रांची के बीआईटी (मेसरा) में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया, लेकिन कुछ कारणों से पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए। पढ़ाई के बाद हेमंत ने इंजीनियरिंग फर्मों के साथ काम किया। हेमंत की शादी कल्पना सोरेन से हुई है और उनके दो बेटे हैं। हेमंत की पत्नी कल्पना भी इस चुनाव में गांडेय विधानसभा सीट से जीती हैं। कैसे रहा हेमंत सोरेन का सियासी करियर? हेमंत सोरेन को राजनीति विरासत में मिली। उनके पिता शिबू सोरेन खुद तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। इसके अलावा हेमंत के बड़े भाई दिवंगत दुर्गा सोरेन भी विधायक थे। हेमंत ने 2005 में दुमका से स्टीफन मरांडी के खिलाफ अपना पहला चुनाव लड़ा, जिसमें वे हार गए। जून 2009 में वे राज्यसभा के सदस्य बने। हालांकि, 2009 के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में वह दुमका सीट से विधायक चुने गए। विधायक चुने जाने के बाद हेमंत सोरेन ने राज्यसभा की सदस्यता छोड़ दी। झारखंड के उपमुख्यमंत्री रहे अर्जुन मुंडा के तीसरे कार्यकाल में सितंबर 2010 से जनवरी 2013 तक हेमंत झारखंड के उपमुख्यमंत्री रहे। इसके बाद कांग्रेस और राजद के समर्थन से हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए। जुलाई 2013 में उन्होंने पहली बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हेमंत का पहला कार्यकाल करीब 17 महीने का रहा।

उच्चतम न्यायालय ने यासीन मलिक से किया जवाब तलब

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने चार भारतीय वायुसेना कर्मियों की हत्या और 1989 में मुफ्ती मुहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के मामले से जुड़े गवाहों की जिरह के लिए संबंधित मुकदमा जम्मू से दिल्ली की तिहाड़ जेल में स्थानांतरित करने की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर गुरुवार को आरोपी यासीन मलिक से जबाव तलब किया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने मामले के आरोपी और तिहाड़ जेल में बंद मलिक को अपना

जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मलिक आतंकवादी गतिविधियों को आर्थिक सहायता देने के लिए तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष कहा कि मामले में मुकदमा स्थानांतरित करने और सह–आरोपियों को पक्षकार बनाने के लिए आवेदन दायर किए गए हैं। श्री मेहता ने कहा कि तिहाड़ जेल में वर्तमान में अदालत चलाने की सुविधा है। उन्होंने अदालत के समक्ष यह भी कहा कि आरोपी भी तिहाड़ जेल में ही बंद हैं। सीबीआई का पक्ष जानने के बाद न्यायालय ने आरोपी से जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तारीख मुकर्रर कर दी। इससे पहले 27 नवंबर को शीर्ष अदालत ने सीबीआई से कहा था कि वह मलिक को जम्मू–कश्मीर ले जाने के एजेंसी के विरोध के मद्देनजर आरोपी के खिलाफ गवाहों से जिरह करने के लिए जेल में अदालत स्थापित करने का विकल्प तलाशे।

अपहरण के बाद बच्चे का कत्ल

● हाथ–पैर रस्सी से बंधे... मुंह में ठूंसा कपड़ा, 36 घंटे बेड के नीचे छिपाकर रखी लाश

सुल्तानपुर,(एजेंसी)। यूपी की सुल्तानपुर में कारोबारी के बेटे की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। कर्ज में फंसे पड़ोसी ने ही घटना को अंजाम दिया। आरोपी पड़ोसी नेपांच लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने शव बरामद कर लिया है। रस्सी से बालक के हाथ–पैर बंधे थे। मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था। सुल्तानपुर जिले के शहर के गांधीनगर मोहल्ले में सोमवार रात पड़ोसी आसिफ ने पांच लाख की फिरौती के लिए व्यापारी शकील के बेटे उसामा को अगवा कर लिया। उसी रात उसकी रस्सी से गला कसकर हत्या कर दी। शव अपने ही बेड के नीचे छिपा ऊपर सोता रहा और पुलिस को गुमराह करने के लिए परिजनों के साथ मिलकर बच्चे की तलाश में जुटा रहा। बुधवार भोर में पुलिस ने आसिफ को गिरफ्तार कर शव बरामद कर लिया। वारदात में शामिल उसके पिता, चाचा–चाची और चचेरी बहन को भी जेल भेज दिया। गांधीनगर निवासी शकील अहमद का शाहगंज चौकी के पास दोना–पत्तल का कारोबार है। उनका पुत्र मोहम्मद उसामा (11) उर्फ साहिल 25 नवंबर रात करीब आठ बजे घर से बरात देखने निकला और फिर लौटकर नहीं आया। कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। मंगलवार को अलग–अलग नंबरों से उसामा के परिजनों को कॉल करके पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। पुलिस ने सभी नंबरों को सर्विलांस पर लगाया। एक नंबर की लोकेशन शकील के घर के बगल में मिली। आसपास के घरों की जांच के बाद पुलिस ने शकील के मकान के ठीक सामने रहने वाले आसिफ के घर की तलाशी ली, जहां उसके बेड के नीचे उसामा का शव मिला। उसके हाथ–पैर रस्सी से बंधे थे। मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आसिफ ने बताया कि उस पर काफी कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए अपहरण की योजना बनाई। उसामा को छोड़ने के लिए पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी। बात 3.74 लाख रुपये पर बन भी गई थी। नहीं निकाली थी गले की रस्सी हत्यारोपी आसिफ ने उसामा की हत्या कर उसकी लाश को 36 घंटे तक अपने बेड के नीचे छिपाकर रखा था। जिस रस्सी से उसने उसामा का गला घोंटा था, वो बालक के गले में कसी मिली थी। बेड के नीचे लाश थी और सोमवार की रात आसिफ उसी बेड पर सोया था। हत्या करने के बाद बरात गया था आरोपी पुलिस की जांच में ये भी सामने आया है।

रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक –बागडे

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने रामायण और गीता को विश्व के प्राचीनतम ग्रंथ बताते हुए कहा है कि यही भारत की संस्कृति और धर्म है। श्री बागडे गुरुवार को अखिल भारतीय यादव महासभा ष्अहीरष द्वारा 'भगवान श्री कृष्ण विचार एवं जनमानस' विषयक आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक हैं। सीता माई ने जो कठिनाई झेली वह जीवन पथ का आलोक है। उन्होंने यादव महासभा द्वारा श्री कृष्ण के सर्वधर्म सद्भाव की संस्कृति का सर्वत्र प्रसार करने का आह्वान किया। उन्होंने श्री कृष्ण के फल की इच्छा के बगैर कर्म करने के गीता के संदेश से प्रेरणा लेकर जीवन जीने पर जोर दिया। राज्यपाल ने

कहा कि भगवान श्री कृष्ण कभी इतिहास नहीं हो सकते। वह जनमानस में गहरे से रचे–बसे हैं। श्री कृष्ण की बांसुरी और राधा से उसकी डाह की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण को युगप्रवर्तक बताते हुए कहा कि जहां अन्याय–अत्याचार हुआ उसका विरोध किया। संस्कृति की हानि हुई तो भगवान ने आगे आकर उसका संरक्षण किया। उन्होंने श्री कृष्ण– सुदामा की मित्रता की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी मित्रता निभाने के संस्कार से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने माखनचोर के उनके स्वरूप की कथा सुनाते हुए कहा कि वह इसलिए आकर्षित करते हैं कि हमेशा ईश्वर होते हुए भी मनुष्य की भांति रहे। समारोह में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने श्री कृष्ण और यादव समाज से जुड़े गौरव की चर्चा की। अखिल भारतीय यादव महासभा के डा. अशोक यादव ब्रिगेडियर प्रताप सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

वहां प्रधानमंत्री चादर भिजवाते हैंः ओवैसी

● अजमेर दरगाह बनाम मंदिर विवाद में भाजपा–संघ पर भड़के ओवैसी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। ओवैसी ने सवाल किया कि श्पूजास्थल अधिनियम का क्या होगा? संभल में आपने देखा क्या हुआ? पांच लोगों की मौत हो गई ।श अजमेर दरगाह को लेकर शुरू हुए विवाद पर एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा और संघ पर तीखा हमला बोला है। ओवैसी ने कहा कि ये सब जो हो रहा है, वह देशहित में नहीं है और यह देश को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि इस विवाद से भाजपा और संघ के लोग सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। दरअसल अजमेर दरगाह को शिव मंदिर बताने वाली याचिका अजमेर की स्थानीय अदालत में दायर की गई, जिस पर अब अदालत ने दरगाह समिति, सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। ओवैसी का सवाल– ये सिलसिला कहां जाकर रुकेगा? इस मामले को लेकर जब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि श्दरगाह शरीफ (अजमेर दरगाह) बीते 800 वर्षों से वहां है। 800 साल में अमीर खुसरो की किताब में बताया गया है कि बादशाह अकबर ने वहां कई चीजें बनवाईं फिर मुगलों के दौर के बाद मराठाओं का दौर आया और जब मराठा कमजोर हो गए तो अंग्रेजों का शासन आया और उस दौरान भी देश के कई राजघरानों ने दरगाह की सेवा की। देश के प्रधानमंत्री हर साल उर्स के मौके पर वहां चादर भिजवाते हैं। हमारे पड़ोसी देशों के वहां आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल आते हैं। आज अचानक से ये हरकत हो रही है, ये सब कहां जाकर रुकेगा?श ओवैसी ने सवाल किया कि श्पूजास्थल अधिनियम (च्संबम वि ॅवतीपच ।बज 1991) का क्या होगा? संभल में आपने देखा क्या हुआ? पांच लोगों की मौत हो गई। अब अजमेर दरगाह मामले में केंद्र सरकार और पुरातत्व विभाग को पार्टी बनाया गया है। अब सरकार क्या कहेगी? ये देश को अस्थिर करने की कोशिश है, ये देशहित में नहीं है। इन लोगों का सीधे या परोक्ष रूप से संबंध भाजपा और संघ से है और इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता।

श्इससे पूरे देश में आग लग जाएगीश कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने अजमेर दरगाह विवाद पर कहा कि श्ऐसी चीजों से पूरे देश में आग लग जाएगी। प्रधानमंत्री को इस मामले को देखना चाहिए।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

चेक इन

डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल बढ़ रहा है और साथ ही फेशियल रिकग्निशन और अन्य डाटा के दुरुपयोग की चिंता भी बढ़ती जा रही है।देश के करीब दो दर्जन हवाईअड्डों पर डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल शुरू हो गया है। इसकी मदद से यात्री बिना कोई दस्तावेज दिखाए आसानी से हवाईअड्डों पर चेक इन करते हैं। अब तक 55 लाख लोगों ने यह ऐप डाउनलोड किया और तीन करोड़ लोगों ने यात्रा के लिए इसका इस्तेमाल किया है। इसके इस्तेमाल को लेकर पहले भी यात्रियों की निजता से जुड़ी चिंता जताई गई थी लेकिन अब पता चला है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने खुद ही इस पर सवाल उठाए हैं। सूचना के अधिकार कानून के तहत मांगी गई जानकारी के आधार पर एक खबर आई है, जिसमें कहा गया है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि निजी कंपनियों द्वारा फेशियल रिकग्निशन तकनीक का दुरुपयोग हो सकता है और इससे लोगों को सुरक्षा देने के लिए अतिरिक्त उपाय करने की जरुरत है। हालांकि नागरिक विमानन मंत्रालय का कहना है कि डिजीयात्रा ऐप को यात्रियों के चेक इन के लिए डी फैक्टो गेटवे बना दिया जाए। यानी एक मंत्रालय इसके इस्तेमाल से सुरक्षा को खतरा बता रहा है तो दूसरा मंत्रालय इसे हर हवाईअड्डे पर हर यात्री के लिए अनिवार्य करने की बात कर रहा है।

सवाल है कि जब इस ऐप को वैकल्पिक बनाया गया है और इसे लॉन्च करते समय कहा गया कि यह यात्रियों की मर्जी पर है कि वे इसे चुनते हैं या नहीं तो फिर ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को इसके इस्तेमाल के लिए क्यों बाध्य किया जा रहा है? इसे अनिवार्य बनाने से पहले सरकार को इस बारे में पूरी जानकारी नागरिकों को देनी चाहिए। यह बताना चाहिए कि डिजीयात्रा ऐप एक निजी कंपनी डिजीयात्रा फाउंडेशन का है, जिसमें छह हिस्सेदार हैं। पांच हिस्सेदार दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरू और कोच्चि हवाईअड्डे हैं, जो निजी हाथों में हैं। इन पाचों के पास 73 फीसदी हिस्सेदारी है, जो बराबर बराबर बंटी है। भारत सरकार के एयरपोर्ट ऑथोरिटी के पास 27 फीसदी हिस्सेदारी है। इस तरह से यह लगभग पूरी तरह से निजी उद्यम है, जिसके हाथ में लाखों, करोड़ों नागरिकों का बायोमैट्रिक डाटा जा रहा है।इसका इस्तेमाल करने वाले ज्यादातर यात्रियों को पता नहीं होता है कि उनका फेशियल रिकग्निशन हो रहा है। दूसरे, इसमें कहा गया है कि यात्रियों का डाटा स्टोर नहीं किया जाता है।

धन का दुरुपयोग सच्चे शिक्षक को क्षोभ

शंकर शरण

एक नेता ने तैश से कहारू आप ने इतनी पुस्तकें प्रकाशित की हैं। मगर उस में काम की कितनी हैं? सरकारी धन का ऐसा दुरुपयोग! उन का अंदाज देख हर सच्चे शिक्षक को क्षोभ होगा।ज्कभी एक नेता ने ताना दियारू देश की एकता के लिए साहित्यकारों ने क्या किया है?च इस पर वात्स्यायन जी ने कहा थारू देश की एकता छिन्न–भिन्न करने के लिए नेताओं ने क्या नहीं किया है?च आज के नेताओं से वही पूछने की जरूरत है कि शिक्षा में कूड़ा–कचरा, प्रोपेगंडा जमाने के लिए उन्होंने क्या नहीं किया है!

कुछ पहले एक ऐतिहासिक अकादमिक संस्थान में भाषण देते हुए एक नेता ने तैश से कहारू आप ने इतनी पुस्तकें प्रकाशित की हैं। मगर उस में काम की कितनी हैं? सरकारी धन का ऐसा दुरुपयोग! उन का अंदाज देख हर सच्चे शिक्षक को क्षोभ होगा। क्योंकि स्वतंत्र भारत में नेताओं, दलों ने ही राजकीय संसाधनों का अतुलनीय दोहन किया है। इसे सभी दलों के कार्यकर्ता मामूली अगर–मगर से मानते हैं। बल्कि, उन में अंदरूनी मार–पेंच तक उसी दोहन में हिस्से–बखरे की है।

दूसरे, उन नेता की अपनी बिरादरी ने ही अकादमिक संस्थाओं को क्रमशरू तेजी से स्तरहीन, और बदहाल बनाया है। अनूठी संस्थाओं को भी बेसिर रख कर बरसों–बरस अपने हाल पर छोड़ दिया है। ऐसा व्यवहार अंग्रेज प्रशासक कभी नहीं करते थे!

सोचिए, जो अपने लिए एक और भाषण–भवन फौरन बनवा लेते हैं, वे देश के अनूठे ऐतिहासिक संस्थानों को छीजने छोड़ देते हैं। मानो मरम्मत हो या न, वह रहे या गिरे, बला से! यह कोई अपवाद नहीं। वस्तुतरू शिक्षा–संस्कृति से ही जुड़े स्थानों, कामों पर एकाधिकार कर जैसै–तैसे करना, न करना, या उन की मिट्टी पलीद होने देना – यह नेताओं की एक संकीर्ण बिरादरी का सिग्नेचर व्यवहार? रहा है।

लेकिन यह तो छोटे पाप हैं! जिस में सभी दल शामिल हैं। नेताओं का सब से बड़ा अपराध हैरू शिक्षा को राजनीतिक कीचड़ से लिथेड़ देना। संस्थानों को दलीय? राजनीति और हिस्से–बखरे के अड्डे बना देना। उन की स्वायत्तता और आत्मा नष्ट करते जाना। विद्वानों को अपदस्थ करते हुए संस्थाओं को एक्टिविस्ट और क्लर्क जैसे लोगों से भर देना। शिक्षकों, विद्यार्थियों को नेताओं, उन के एजेंटों, ठेकेदारों के अज्ञान और क्षुद्र मंसूबों से चलाना। नेताओं के चित्र–विचित्र भाषण न केवल शिक्षकों को जबरन सुनाना, बल्कि छात्रों तक भी पहुँचाने का दबाव रखना! अनर्गल नारों, चालू घटनाओं, मुहावरों पर सेमिनार, प्रदर्शनी करने का हुक्म देना। उस पर करोड़ों रूपयों और हजारों लोगों के समय व ऊर्जा की बरबादी कर, वही सब शैक्षिक्य क्रियाकलाप मानने का चलन बनाना। अर्थात नकली, व्यर्थ कामों से समाज को मानसिक दुर्बल, भ्रष्ट, और लाचार बना देना। चाहे उन्हें इस का बोध हो या नहीं।सो, जब जिस दल गुट का दौर–दौरा, उस की ऊल–जुलूल बातों, घोषणाओं को शिक्षकों, छात्रों के गले उतारना। इस तरह, पूरी की पूरी पीढियों के स्वच्छ, विश्वासी माथे में महान साहित्य, ज्ञान, और? सदविचारों के बदले विषैली दलबंदी, विभाजक ईर्ष्या–द्वेष, और फूहड़ प्रोपेगंडा उतारना।

यह स्वतंत्र भारत में आरंभ से ही चला। क्रमशरू कुरूपतर होता। फलतरू आज लाखों–लाख शिक्षितों में तथ्य और राय, फैक्ट या ओपीनियन में अंतर कर सकने की समझ नहीं। बचपन से ही तरह–तरह से नेताओं की नियमित पूजा देखते–सुनते सत्य और प्रोपेगंडा में अंतर करने की उन की क्षमता लुप्तप्राय हो चुकी है।देश के जनगण पर ऐसा मानसिक घात देसी नेताओं का किया हुआ है। अंग्रेजों ने तो दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ साहित्य और सच्चे विद्वानों, शिक्षकों से हमारी शिक्षा को पोषित किया था। उसी को हर तरह से प्रोत्साहित किया था। यह हमारे देसी नेता थे, जिन्होंने अपने–आप को, रोज बात बदलने वाले नेताओं को मनीषियों से ऊपर रखने की समाजघाती रीति बनाई। अल्पज्ञ नेताओं के मामूली भाषणों, रोजमर्रा टिप्पणियों को मँहगी जिल्दों में प्रकाशित कर विशेष ज्ञान सामग्री के रूप में स्थापित कराया! जबकि अंग्रेज ऐसा फूहड़ काम, अपने वायसराय या प्रधानमंत्री के भाषणों, आदि का संग्रह बनाते तक नहीं थे – थोपना तो दूर

रहा! उन्होंने भारत में अनेक शानदार पुस्तकालय बनाए, जिन में दुनिया भर के ज्ञान–ग्रंथ लाकर रखे। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध तक भारतीय विद्यार्थियों की कई पीढियों ने उस से लाभ उठाया। उस से ही यहाँ अनेक महान चिंतक, वैज्ञानिक, कवि, विद्वान, आदि बने जिन का दुनिया में नाम हुआ। इस के विपरीत, स्वतंत्र भारत के शासकों ने अपने भाषण, उपदेश, चिट्ठियों, आदि के कलेक्टेड वर्क्सच को पुस्तकालयों में विशिष्ट स्थान दिया! देश–विदेश के महान दार्शनिकों, कवियों, लेखकों की सर्वोत्तम रचनाओं की कोई सुंदर जिल्द उपलब्ध कराने में उन की कभी कोई रुचि न थी। यह उन की बुद्धि से ही परे रहा कि यह भी कोई कर्तव्य हो सकता है!

आज स्थिति और बदतर हो रही। अब कथित नीतिगत दस्तावेज तक छापे नहीं जाते। लेकिन नेताई भाषणों की सालाना मोटी–मोटी जिल्दें बाकायदा छपती हैं। किन के लिए? अल्लाह जानता है! यह सार्वजनिक धन का सब से फूहड़, लज्जाजनक दुरुपयोग है, जिसे भाषणबाज लोग समझने में भी असमर्थ हैं।

इस तरह, शिक्षा का एकाधिकार लेकर नेताओं ने सब से मूल्यवान ज्ञान–सामग्री ही बच्चों, युवाओं तक पहुँचाना जरूरी न समझा। जो इसी आयु वर्ग के लिए स्वच्छ वायु और शुद्ध जल जैसा आवश्यक है! पर नेता अपने सीमित शब्दजाल और मन की तरंग को ही असल साहित्य समझने के आदी हैं। यह गाँधीजी से आरंभ हुआ, और आदर्श उदाहरण सा सब ने अपना लिया है। दुनिया के किसी अग्रणी देश में ऐसा नहीं है।

फलतरू आज देश की सर्वोच्च विचार सभा – जो परिभाषा से ही विचारकों, नीतिज्ञों का स्थान था – उस की कौन? कहे, उच्चतम शैक्षिक–सांस्कृतिक संस्थानों में भी चिंतकों, ज्ञानियों को स्थानध्अधिकार देने का चलन लुप्तप्राय हो गया है। सामाजिक मानविकी विषयों की पाठ्य–सामग्री मुख्यतरू राजनीतिक मतवादों का प्रचार बन गई है। फलतरू अब सच्चे लेखक और विद्वान की भूमिका नगण्य हो गई है। देश में साहित्यिक, वैचारिक पत्र–पत्रिकाओं की क्रमशरू अवनति और निरूशब्द लोप की दिशा भी उसी का परिणाम व प्रमाण है। यह अवनति चिन्तनीय भी नहीं! अब विकसित देश बन जाने का आसान नुस्खा आ गया है। नारे लगाइए, कीचड़ उछालिए, शेखी बघारिए, झूठ फैलाइए, और विश्वगुरु बन जाइए!

अतरू शैक्षिक संस्थानों को दलबंदी के अड्डे बनाने, नेताओं को मनीषियों से ऊपर मानने, उन की बातों को समाज का दिशा–निर्देशक बताने, और अकादमिक क्षेत्र को लगुओं मुंशियों के हवाले करते जाने में एक तारतम्य है। किसी मामूली नेता द्वारा विशिष्ट अकादमिक संस्थान पर तानाकशी उसी का उदाहरण है।

आरंभिक नेताओं ने शैक्षिक योजनाओं और संस्थाओं में अपने हमख्यालों को प्रश्रय दिया। दूसरों ने अपनी चालीसात्र लिखने वालों और नेटवर्किंग धंधेबाजों को बढ़ाया। सच्चे विद्वान, लेखक, कवि, आदि, जो वैसे ही बहुत कम होते हैं, उन का स्थान क्रमशरू खत्म हो गया। यद्यपि स्कूल–कॉलेज व्यवसाय के रूप में चल और फैल? रहे हैं। डिग्री–डिप्लोमा भी बँट रहे हैं। तकनीकी विषयों में युवा तैयार होकर काम–धाम भी कर रहे हैं। पर यह सब भी निजी अध्यवसाय से अधिक हुआ। स्कूलों–विश्वविद्यालयों से अधिक महत्व अनायास कोचिंग–सेंटरों का हो जाना इसी का संकेत है। किस शिक्षा नीतिच ने ऐसा लक्ष्य रखा था? यदि नहीं रखा था, तो यह कैसे हुआ?आज देश में ज्ञान–विवेक, चिंतन–मनन और साहित्य का मैदान सूना हो रहा है। यह हमारे बौद्धिक दिवालियेपन का संकेत है कि आज भी रोज लॉर्ड मैकॉले को कोसने वाले सोचने की क्षमता नहीं रखते कि गत 77 सालों से हमारी नीति किस ने बनाई! क्या स्वतंत्र भारत की नीतियाँ अनाम कबन्ध बनाते रहे हैं?गाली देने के लिए मैकॉले, और जयकारे के लिए ऐसे–ऐसे नेता जो टीवी पर कहते हैं कि अमुक दस्तावेज उन्होंने अभी पढ़ा नहींच, पर उस से भारत विश्वगुरु बन जाएगा! यह है अपने नारों से अपना माथा चकरा लेना। तभी मामूली नेता भी विद्वान से हिसाब माँगते हैं कि उन की पुस्तकों में काम की कितनी हैं?च

एक बार वात्स्यायन जी (अज्ञेय) ने ऐसे कटाक्ष का उत्तर दिया था। तब नेताओं का नारा था राष्ट्रीय एकताच। इसी से वे अपनी झक, और तरह–तरह की सतही, मिलावटी सामग्री शिक्षा में थोपते रहते थे। तो, कभी एक नेता ने ताना दियारू देश की एकता के लिए साहित्यकारों ने क्या किया है?च इस पर वात्स्यायन जी ने कहा थारू देश की एकता छिन्न–भिन्न करने के लिए नेताओं ने क्या नहीं किया है?चआज के नेताओं से वही पूछने की जरूरत है कि शिक्षा में कूड़ा–कचरा, प्रोपेगंडा जमाने के लिए उन्होंने क्या नहीं किया है!

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्ध्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

अर्थव्यवस्था के मौजूदा स्वरुप

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है? आखिर इस मुकाम तक हम पिछले साढ़े तीन दशक में अपनाई गई नीतियों की वजह से पहुंचे हैं।

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आखिरकार अर्थव्यवस्था के मौजूदा स्वरूप को लेकर वह चेतावनी दी है, जिस पर अर्थ जगत में पहले से चिंता रही है। नागेश्वरन ने अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण में निहित खतरों को लेकर आगाह किया है। उन्होंने देश के षवित्तीयकरण के जालष में फंसने की आशंका जताई है। जब शेयर बाजार का सकल पूंजी मूल्य जीडीपी के 140 प्रतिशत तक पहुंच गया हो, तो समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था किस मुकाम पर है।

नागेश्वरन ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र में हो रहे रिकॉर्ड मुनाफे से एक ऐसी परिघटना सामने आई है, जिस पर कड़ी नजर रखनी होगी। उनकी ये बातें खास गौरतलब हैरू श्जब बाजार का आकार अर्थव्यवस्था से बड़ा हो जाता है, तब यह स्वाभाविक है कि बाजार के हित और उसकी प्राथमिकताएं सार्वजनिक विमर्श पर हावी हो जाती हैं, हालांकि ऐसा होना तार्किक रूप से जरूरी नहीं है। यहां मैं उस परिघटना का जिक्र कर रहा हूं, जिसे वित्तीयकरण अथवा नीति एवं सकल अर्थव्यवस्था के लाभों पर वित्तीय बाजार के वर्चस्व के रूप में जाना जाता है।च ऐसा होने पर क्या होता है, इसकी चर्चा भी मुख्य आर्थिक सलाहकार ने की है।

उनके मुताबिक सार्वजनिक एवं निजी ऋण का अभूतपूर्व ऊंचा स्तर– जिसमें से कुछ ऋण विनियामकों को मालूम है और कुछ नहीं, परिसंपत्तियों की मूल्य वृद्धि पर आर्थिक वृद्धि का निर्भर हो जाना और उसके परिणामस्वरूप गैर–बराबरी में भारी बढ़ोतरी, ये वित्तीय वर्चस्व वाली अर्थव्यवस्था के परिणाम हैं। उन्होंने आगाह किया कि भारत को ऐसे परिणामों से बचने का प्रयास करना चाहिए। नागेश्वरन की ये बातें सोलह आने सच हैं।

अर्थव्यवस्था के यह रूप लेने के दुष्परिणाम आज कभी औद्योगिक शक्ति से दुनिया पर अपना दबदबा बनाने वाले विकसित देश भी झेल रहे हैं। मगर सवाल है कि मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है? आखिर इस मुकाम तक हम पिछले साढ़े तीन दशक में अपनाई गई नीतियों की वजह से पहुंचे हैं। क्या नागश्वेरन जिस सरकार से जुड़े हैं, उसमें ये दिशा बदलने का बौद्धिक साहस और माद्दा मौजूद है?

भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव

रवनीत सिंह बिट्टू

हमारे देश की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक प्रकाश–पुंज की तरह है, जो विकसित भारत की दिशा में हमारे द्वारा उठाए जा रहे कदमों के रूप में प्रतिबिम्बित होता है। अब यह क्षेत्र केवल अर्थव्यवस्था में योगदानकर्ता भर नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से भारत की विकास गाथा का आधार बनता जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में नीतियों, पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास के बेहतरीन मिश्रण ने इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जिससे यह वैश्विक मंच पर एक मजबूत ताकत बनकर उभरा है। वर्तमान में भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर वाली समृद्ध अर्थव्यवस्था होने का दावा करता है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 में देश की स्वतंत्रता की शताब्दी तक 30–35 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनना है।

भारत में हो रहे बदलावों के मूल में इसकी समृद्ध कृषि–जलवायु विविधता है, जो हमारे किसानों को विभिन्न प्रकार की विशिष्ट फसलें उगाने में सक्षम बनाती है। दालें, मोटे अनाज, दूध, गेहूं, चावल तथा फलों और सब्जियों के उत्पादन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश होने के रूप में, भारत के पास मूल्य वर्धन के लिए संसाधनों का अद्वितीय आधार मौजूद है। हमारे मेहनतकश किसानों द्वारा सावधानीपूर्वक पोषित इस कृषि प्रचुरता ने नवाचार और उद्यमिता के दौर को जन्म दिया है, जिससे उन्नतिशील खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का उदय हुआ है।

यह क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास का आधार बन चुका है, जो रोजगार के अवसरों के सृजन, तकनीकी प्रगति और बाजार के नए अवसरों के निर्माण के माध्यम से विकास को गति दे रहा है। भारत शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ी और सबसे युवा कामकाजी आबादी होने का भी दावा करता है, जिससे इस महत्वपूर्ण परिवर्तन को और बढ़ावा मिलता है। उन्नत प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके, इस उद्योग ने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने, उत्पाद की शेल्फ लाइफ बढ़ाने और किसानों को उनके प्रयासों के लिए बेहतर रिटर्न दिलाना सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र जैसे–जैसे विकसित हो रहा है, यह न केवल गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर खरा उतर रहा है, बल्कि वैश्विक उपभोक्ताओं की लगातार बदलती पसंद और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अपनी पेशकशों में विविधता भी ला रहा है। इस प्रकार कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के बीच का घनिष्ठ सामंजस्य आर्थिक प्रगति के शक्तिशाली साधन का रूप ले चुका है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारे किसान और कृषि देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत के कृषि उत्पाद दुनिया के कोने– कोने में संवर्धित मूल्य और गुणवत्ता के साथ पहुंचे। ऊर्जावान और युवा कार्यबल द्वारा समर्थित इस एकीकरण के माध्यम से, हम इस सशक्त, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के उद्भव का साक्षी बन रहे हैं जो भारत को एक समृद्ध और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाने के लिए तत्पर है।

एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, कोविड–19 महामारी ने इस क्षेत्र के प्रभावशाली लचीलेपन को दर्शाया, जो प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के अनुरूप तेजी से अनुकूलित हुआ। रेडी–टू–ईट, रेडी–टू–कुक और मूल्य–वर्धित उत्पादों की ओर धीरे–धीरे बदलाव ने खाद्य सुरक्षा और पोषण में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने, सुविधा प्रदान करने, लंबी शेल्फ लाइफ और दूरदराज के क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए मजबूत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र आवश्यक है। यह किसानों के लिए बेहतर दामों की प्राप्ति भी सुनिश्चित करते हुए और बाजार के अवसरों में वृद्धि करते हुए, जीडीपी पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है और आजीविका में सहायता प्रदान करता है।

इस संबंध में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) सबसे अग्रणी है, जो पीएम किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का समर्थन कर रहा है। यह पहल अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास करके और खेत से लेकर खुदरा तक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को अनुकूलित करके इस क्षेत्र को बदल रही है। इन प्रयासों को पूर्णता प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना प्रौद्योगिकी उन्नयन, क्षमता निर्माण और विपणन में सहायता के माध्यम से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के विकास को बढ़ावा देती है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएस) वृद्धिशील बिक्री से जुड़े वित्तीय पुरस्कारों की पेशकश करके घरेलू विनिर्माण एवं निर्यात वृद्धि को और बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त, नाबार्ड के अंतर्गत 2000 करोड़ रुपये का विशेष अवसंरचना कोष इस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समन्वित दृष्टिकोण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और संबंधित क्षेत्रों को उन्नत बनाने के लिए एक व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है, जो मजबूत, एकीकृत और दूरंदेशी विकास पथ सुनिश्चित करता है।

भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसका जनसांख्यिकीय लाभांश खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए नई ऊंचाइयों को छूने के अनूठे और अभूतपूर्व अवसरों का सृजन करता है। सरकार के महत्वपूर्ण कर संबंधी प्रोत्साहनों, कारोबार करने में सुगमता की सुव्यवस्थित पहल और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास सहित दूरदर्शी व्यवसाय समर्थक सुधारों ने निवेश और विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दिया है। यह सहयोगपूर्ण परिदृश्य न केवल वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है बल्कि भारत को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में नवाचार और विस्तार के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी स्थापित करता है।

वर्ष 2023 में पिछले संस्करण की शानदार सफलता के बाद, मंत्रालय 19 से 22 सितंबर 2024 तक वर्ल्ड फूड इंडिया के तीसरे संस्करण का आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में खाद्य उद्योग के हर पक्ष से जुड़े हितधारक विचारों का आदान–प्रदान करने, अवसरों का अन्वेषण करने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के लिए एक साथ आएंगे। यह एक अनोखा सम्मेलन होगा जिसमें दुनिया भर के खाद्य इकोसिस्टम से जुड़े निर्माता, उत्पादक, निवेशक, नीति–निर्माता और संगठन शामिल होंगे।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 एक ऐसा मंच है, जहां हितधारक नवाचारों का अन्वेषण करने, साझेदारी बनाने और टिकाऊ खाद्य भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त करने के लिए एकत्रित होते हैं। आइए, हम अपने सामने मौजूद अवसरों का लाभ उठाएं तथा अधिक समृद्ध और लचीली खाद्य प्रणाली की दिशा में ऐसी यात्रा की शुरुआत करें, जो मूल्य श्रृंखला में सभी हितधारकों को लाभान्वित करे। सामंजस्य के इस दौर में, हम न केवल एक उद्योग को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे भविष्य के साझा विजन को भी अंगीकार कर रहे हैं जहां नवाचार, स्थिरता और समृद्धि हमारे देश के कोने–कोने का उत्थान करे।

एण्टी भू–माफिया नीति से लाखों को मिला हक

प्रतापगढ़। भूमि प्रकृति की निःशुल्क देन है, यह सभी प्राणियों के लिए स्थान/आवास प्रदान करती है। भूमि से सभी जीवों को भोजन मिलता है। यह लगातार पोषक तत्वों का चक्रण करती है। भूमि का उपयोग कृषि, वानिकी, खनन, यातायात के साधनों सड़कों, उद्योगों की स्थापना, सुरक्षा आदि के लिए किया जाता है। जैवविविधता, जलवायु परिवर्तन, विभिन्न गैसों का उत्पादन उपभोग, जल संचयन आदि क्रियाएं भूमि पर ही होती है। इसी लिए भूमि की महत्ता सदियों से रही है।

जमीन का विवाद सदियों से रहा है। एक देश दूसरे देश को जीतता था तो उस देश की पूरी भूमि का हक विजेता देश की हो जाती थी। जमीन ऐसी सम्पदा रही जो व्यक्तियों के खाने के लिए विभिन्न प्रकार के अन्न, पशुओं को चारा उत्पादन करती रही। सदियों से जमीन के मालिकाना हक से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और सामाजिक सम्पन्नता आँकी जाती थी। भूमि की महत्ता हर काल मे रही है। आज भी भूमि की बड़ी महत्ता है। भूमि चाहे खेती की हो, बागवानी की हो या आवासी भूमि हो, आज भी सभी जमीन की आर्थिक महत्ता है। समाज मे हर तरह के लोग रहते है। गरीब मध्यवर्ग, अमीर वर्ग और अच्छे–बुरे लोग भी होते है। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार बनने पर कई दबंगों, गुण्डों, माफियाओं द्वारा गरीबों, वैधानिक भूमालिकों की जमीनों पर अवैध कब्जों की शिकायत आने लगी। गुण्डे भू–माफियाओं द्वारा गरीबों, कमजोर वर्गों, ग्राम समाज व सरकारी, शहरी जमीनों पर अवैध कब्जा कर अपना हक बना लिया था। हजारों एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा कर लोग मालामाल हो रहे थे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गरीबों कमजोरों और ग्रामपंचायतों, शहरी जमीनों सामाजिक सम्पत्तियों आदि पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध पूरे प्रदेश में तहसील, जिलें, मण्डल एवं राज्य स्तर के चार स्तरीय एण्टी भू–माफिया टास्क फोर्स का गठन करते हुए एण्टी–भू–माफिया अभियान चलाया। प्रदेश में अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों को आनलाइन दर्ज किये जाने एवं कृत कार्यवाही का प्रभावी अनुश्रवण किये जाने हेतु एण्टी भू–माफिया पोर्टल का विकास किया गया है, जिसमें दर्ज शिकायतों पर सम्यक कार्यवाही करते हुए वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में जुलाई, 2024 तक एण्टी भू–माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से संबंधित कुल 3,87,195 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमे से 3,85,740 शिकायतें निस्तारित करते हुए वैधानिक भू–मालिकों को उनकी भूमि पर कब्जा दिलाया गया। प्रदेश में चलाए गए इस अभियान के अन्तर्गत कुल 66,040.91 हेक्टेयर क्षेत्रफल की भूमि को अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत अतिक्रमणकर्ताओं के विरूद्ध 24,527 राजस्व वाद, 1,114 सिविल वाद व 4,727 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी हैं। प्रदेश मे 1,555 अतिक्रमणकर्ताओं को

भू–माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है, जिसमे वर्तमान में 212 भू–माफिया जेल में निरूद्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में 1110 अतिक्रमणकर्ताओं के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत कार्रवाई की गई है। जिसमें 260 के विरूद्ध दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत, 06 के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत, 85 के विरूद्ध गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत, 323 के विरूद्ध गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत तथा 3,140 के विरूद्ध अन्य धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है। प्रदेश सरकार के एण्टी भू–माफिया टास्क फोर्स के गठन से लाखों वैधानिक भू–मालिकों को उनकी भूमि पर कब्ज़ा मिला और लोग सरकार की इस नीति से काफी खुश हैं।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी प्रबंधन समिति की बैठक

श्रावस्ती । जनपद की रेडक्रॉस सोसायटी प्रबंधन समिति की बैठक जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि पैटर्न सदस्य व अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र रहे। कार्यक्रम का संचालन वाइस चेयरमैन द्वारा किया गया।रेडक्रास के सदस्यों को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्षध्पैटर्न दद्दन मिश्र ने कहा कि जनपद की नवगठित रेडक्रॉस शाखा लगातार सराहनीय कार्य कर रही है । कई कार्यक्रमों में स्वयं जाने का व सहयोग करने का अवसर मिला है। श्रावस्ती जैसे जनपद में ऐसी संस्था की बहुत आवश्यकता है। हम संस्था को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे जिससे संस्था मानवता की सेवा करती रहे। जिलाधिकारी अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी अजय द्विवेदी ने कहा कि जनपद की रेडक्रॉस शाखा ने विभिन्न आपदाओं में और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो कार्य किए हैं, उन्हे ऐसे ही आगे भी जारी रखें अध्यक्ष के रूप में उनका पूरा सहयोग सोसायटी के साथ रहेगा।

हेल्पलाइन नम्बरों की दी छात्राओं को जानकारी

कौशाम्बी। मिशन शक्ति (फेज 05) के अंतर्गत महिला थाना मंझनपुर द्वारा महामाया राजकीय महाविद्यालय कौशांबी की छात्राओं को नारी सुरक्षा से संबंधित राज्य सरकार द्वारा स्थापित हेल्पलाइन नंबर एवं प्रयासों निर्देशों को अवगत कराया गया। महामाया राजकीय महाविद्यालय, कौशांबी में मिशन शक्ति (फेज 05) के अंतर्गत प्रो0 शैलेंद्र तिवारी, प्राचार्य , महामाया राजकीय महाविद्यालय, कौशांबी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा नीलम राघव, प्रभारी महिला थाना जनपद कौशांबी कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि रही। आज के व्याख्यान सत्र के अंतर्गत छात्राओं को नारी सुरक्षा से संबंधित राज्य सरकार द्वारा स्थापित हेल्पलाइन नंबर एवं प्रयासों ध् निर्देशों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर नीलम राघव प्रभारी महिला थाना मंझनपुर कौशांबी ने 1090 हेल्पलाइन के बारे में बताया कि इस नंबर पर महिलाएं अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी समय अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इसमें शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है। इस अवसर पर सच्ची शुक्ला,महिला आरक्षी ,वंदना भारद्वाज, महिला आरक्षी ,आरती दुबे ,महिला आरक्षी, अर्चना बघेल , महिला आरक्षी आदि ने राज्य सरकार द्वारा स्थापित हेल्पलाइन नंबर के प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम की आज की विशिष्ट व्यक्ता डॉ0 भावना केसरवानी एवं डॉ रीता दयाल द्वारा महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित सरकार द्वारा स्थापित किए गए हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से छात्राओं को अवगत कराया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अजय कुमार द्वारा किया गया तथा मिशन शक्ति के प्रभारी डॉ0 अनिल कुमार द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रो0 अनिल कुमार सोनकर ,डॉ. नीलम बाजपेई , डॉ. तरित अग्रवाल ,डॉ. रमेश चंद्र , डॉ. संतोष कुमार ,डॉ. शैलेश मालवीय तथा अजय कुमार वरिष्ठ लिपिक मानवेंद्र सिंह एवं समस्त कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

ढूंढ़ी जानें लगीं सरकारी जमीनें

कौशाम्बी। नगर पंचायत चरवा एक नई नगर पंचायत है। जिसका गठन 20 दिसम्बर, 2020 को हुआ है। इसे एक ही राजस्व ग्राम चरवा के 26 मजरों को मिलाकर बनाया गया है। यहॉ पर बहुत सी ग्राम सभा की जमीनें बिना चिन्हांकन व सीमांकन के इसलिये पड़ी हुयी हैं क्योंकि राजस्व भू–मानचित्र उपयुक्त स्थिति में उपलब्ध नहीं है। इसका फायदा उठाकर भू–माफियाओं ने दबंगई से सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रखा है। तेज तर्रार जिलाधिकारी श्री मधुसूदन हुल्गी के निर्देशानुसार नगर पंचायतें अपनी सरकारी भू–सम्पत्तियों की खोजबीन में जुटी हुयी हैं। इसी क्रम में नगर पंचायत चरवा के अधिशासी अधिकारी श्री सुभाष चन्द्र सिंह के नेतृत्व में हलका लेखपाल सतीश चन्द्र व पुलिस बल के साथ कई गाटों का सीमांकन किया गया। जिन्हें मिलाकर नगर पंचायत को एक अम्बेडकर पार्क की सौगात मिली। गाटा संख्या 1483, 1479, 1488, 1476 व 1477 का सीमांकन व मेड़बन्दी की गयी। मौके पर मुख्य रूप से प्रभावित पक्ष श्री रविदेव पाण्डेय एडवोकेट व उनके द्वारा पुत्रों द्वारा विरोध की भरसक कोशिश की गयी लेकिन प्रशासन ने अपनी सूझबूझ से उनके विरोध को नजरअंदाज किया क्योंकि मुख्य रूप से 1483 में इन्हीं के द्वारा अपना कब्जा बताया गया है। इन समस्त गाटों को मिलाकर लगभग 01 हेक्टेयर भूमि अवैध कब्जे से मुक्त करायी गयी। नगर की जनता को इस बात की उम्मीद जगी है कि अब चरवा नगर पंचायत जो कि आदर्श नगर पंचायत होने के साथ–साथ आकांक्षी नगर पंचायत भी है इसमें अब शासन द्वारा जारी किये गये विभिन्न प्रोजेक्ट भौतिक स्वरूप ले सकेंगे और जमीन की कमी नहीं होगी। अधिशासी अधिकारी श्री सुभाष चन्द्र सिंह का यह भी कहना है कि गाटा सं0 1237 का चिन्हांकन व सीमांकन भी राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित करते हुये कर लिया जायेगा। जिसमें योग केन्द्र व लाइब्रेरी आदि के प्रोजेक्टों को अमली जामा पहनाया जा सकता है।

लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव संगीत–संस्कृति का संगम

लखनऊ(आरएनएस) लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव 2024 के छठे दिन महोत्सव की शुरुआत होते ही दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था, और यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। महोत्सव की विशेष खूबियों के कारण यह हर किसी को आकर्षित कर रहा है, और इसकी सफलता में अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष एन बी सिंह के नित्य नए प्रयोगों का अहम योगदान है।संस्कृत बेला पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. जया श्रीवास्तव के निर्देशन में कलाकारों ने सुरों का जादू बिखेरा। महोत्सव के इस दिन के मुख्य अतिथि, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर फैज खुमारी बाराबंकवी को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। सम्मान देने वालों में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव, डायरेक्टर डॉ. जया श्रीवास्तव और संरक्षिका सहर जावेद फारूकी सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. जया श्रीवास्तव द्वारा ष्घर में पधारो गजानन जीष भजन से हुई। इसके बाद, एक के बाद एक शानदार प्रस्तुतियाँ ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायिका वंदना श्रीवास्तव ने लता मंगेशकर के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी, जबकि अनीता सिंह ने ष्माई नहीं माईष और मेरे हाथों में नौ–नौ चूड़ियांष गाकर माहौल को खास बना दिया। सीमा श्रीवास्तव ने ष्कहे तोसे सजनाष गाया, और नीता प्रजापति ने ष्बाबुल प्यारेष गाकर दर्शकों को भावुक कर दिया।संगीत के इस शानदार सिलसिले में अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। प्रकाश खन्ना ने ष्शादी के लिए रजामंद कर लीष और सलीम अब्बासी ने ष्मैं सेहरा बांध के आऊंगाष गाया। दिनेश श्रीवास्तव ने ष्बहारों फूल बरसाओष और रमन श्रीवास्तव ने ष्बाबुल का ये घरष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. जया श्रीवास्तव ने ष्विदाई गीतष गाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।इसके अलावा, नवोदित कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीता। अंकिता सूर्यवंशी, प्रियंका, मुस्कान कनौजिया और अक्षत श्रीवास्तव ने अपनी आवाज और कला का प्रदर्शन किया। विशेष रूप से अक्षत श्रीवास्तव की स्टैंडअप कॉमेडी ने महोत्सव में एक अलग रंग भरा।कार्यक्रम के समापन पर सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और उपाध्यक्ष एन बी सिंह ने दीप प्रज्वलित करके किया और महोत्सव में आए सभी का धन्यवाद किया।

कायस्थों ने सनातन बोर्ड गठन की उठाई मांग, सौपा ज्ञापन

गोण्डा।सनातन धर्म सभा नई दिल्ली में कथा वाचक देवकीनंदन की अगुवाई मे आयोजित विशाल साधु संतों की बैठक में उपस्थित सभी साधु संत व सनातनियों ने एक स्वर में सनातन बोर्ड स्थापना का गठन करने के लिए भारत सरकार से उठाई मांग,साथ ही भारत के सभी संगठन के लोगों से यह अपील किया कि वह भी अपने सनातन धर्म को बचाने के लिए आगे आए अपना समर्थन उन्हें प्रदान करें इसी बात को ध्यान में रखते हुए आज हिंदू ध् सनातनियों में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की तरफ से अपर जिला अधिकारी गोण्डा के माध्यम से भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह को सनातन बोर्ड के समर्थन में एक पत्र सौपा, जिसमें यह मांग किया गया कि हम और हमारा समाज सनातन बोर्ड स्थापना का समर्थन करता है साथ ही पूरे देश में जितने भी वक्फ बोर्ड की भूमि ध्संपत्ति है उसकी जांच हो देश के बड़े मंदिरों के पुजारी को जीवकोपार्जन हेतु उन्हें भत्ता दिया जाना चाहिए, रेलवे लाइन के मध्य बने मस्जिदों की जांच की जाए उसे हटाया जाए, साथ ही साथ यह भी मांग किया गया कि सनातन बोर्ड स्थापना में सभी सनातनियों के धर्म से जुड़े लोगों के प्रतिनिधियों को भी जगह दी जाएघ।

डिपो को तकनीकी आउटसोर्स किया

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (न्च्ैत्ज्ब्) ने प्रशासनिक सुविधाओं के सुधार के उद्देश्य से राज्य को 20 क्षेत्रों में विभाजित किया है और तकनीकी आउटसोर्स की व्यवस्था को लागू किया है। पहले से नोएडा क्षेत्र में लागू तकनीकी आउटसोर्स व्यवस्था के सफल परिणामों को देखते हुए, अब इसे अन्य 19 क्षेत्रों में भी लागू किया गया है। इस कदम से नोएडा क्षेत्र में तकनीकी सेवाओं में सुधार हुआ है, जिससे अन्य क्षेत्रों में भी तकनीकी आउटसोर्स करने का निर्णय लिया गया।अब तक 15 डिपो को तकनीकी आउटसोर्स किया जा चुका है, जिनमें नजीबाबाद, हरदोई, अवध, जीरो रोड, ताज, साहिबाबाद, बदायू, इटावा, झांसी, सुलतानपुर, बलिया, देवरिया, कैन्ट, बांदा और बलरामपुर डिपो शामिल हैं। अब शेष 4 डिपो, सोहराबगेट (मेरठ), छुटमलपुर (सहारनपुर), एटा (अलीगढ़) और विकासनगर (कानपुर), को भी तकनीकी आउटसोर्स किया जाएगा। इन डिपो को न्यूनतम दरों पर आवंटित किया गया है, जिनकी दरें सोहराबगेट के लिए ध्5.07, छुटमलपुर के लिए ध्4.96, एटा के लिए ध्4.69 और विकासनगर के लिए ध्5.17 प्रति किलोमीटर हैं।इन फर्मों को स्पेयर पार्ट्स, लेबर, यूरिया, लुब्रिकेंट, टायर और अन्य स्पेयर पार्ट्स की व्यवस्था स्वयं करनी होगी, जबकि परिवहन निगम कार्यशाला परिसर, डीजल और रिपेयर हेतु बसें उपलब्ध कराएगा।

156 मुकदमों से संबंधित माल का निस्तारण

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया द्वारा में जनपद में चलाये जा रहे माल निस्तारण अभियान के क्रम में थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती मे दिनांक 04.06.2021 से दिनांक 04.05.2024 तक लम्बित 156 मुकदमों से संबंधित माल अवैध देशी कच्ची शराब अवैध नेपाली शराब के निस्तारण हेतु न्यायालय जनपद श्रावस्ती को नियमानुसार रिपोर्ट प्रेषित की गयी थी जिसके क्रम में माननीय न्यायालय से दिनांक 06.11.2024 को माल नष्ट करने का आदेश प्राप्त हुआ था। आदेश के क्रम में गठित टीम की उपस्थिति मे (क्षेत्राधिकारी भिनगा जनपद श्रावस्ती व नायब तहसीलदार जमुनहा जनपद श्रावस्ती) दिनांक 18.11.2024 को दिनांक 04.06.2021 से दिनांक 04.05.2024 तक लम्बित कुल 156 मुकदमों से संबंधित माल को नियमानुसार नष्ट कराया गया।

संक्षेप

संयुक्त जिला चिकित्सालय मे क्रियाशील नहीं मिला व्यवस्था

श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव व अग्निशमन अधिकारी संजय जायसवाल द्वारा आज दिनांक 19.11.2024 को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा का अग्नि सुरक्षा निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रामगोपाल के साथ किया गया विशेषकर छप्ब्न्ध्छब्न् का निरीक्षण किया गया जिस संबंध में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था अकार्यशील पाए जाने पर आवश्यक निर्देश दिया गया।

बोरे में भरकर ले जाए जा रहे 192 पाउच अंग्रेजी शराब बरामद

कुशीनगर।जनपद के रामकोला पुलिस ने बोरे में भरकर ले जाए जा रहे 192 पाउच अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए शराब तस्करी गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार के जेल भेज दिया है। जनपद में अवैध शराब निष्कर्षणधबिक्रीध्परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को रामकोला पुलिस टीम द्वारा 192 पाउच अंग्रेजी शराब 8 पीएम प्रत्येक पाउच 180 एमएल कुल मात्रा 34.6 ली. बरामद कर मौके से दो शराब तस्करों रोहित चौधरी पुत्र रामबली निवासी वार्ड नं. 22 थाना रामकोला, अर्जुन कुमार पुत्र संजय राम निवासी चुहेडी थाना चनपटिया जिला बेतिया बिहार गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वे लोग शराब का तस्करी कर प्लास्टिक के बोरे में शराब भरकर बिहार ले जाकर ऊंचे दामों पर बेच देते हैं।

सार्वजनिक रास्ते से अवैध अतिक्रमण हटवाने की मांग

कुशीनगर।जनपद के कसया तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत शिवपुर बुजुर्ग में कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी व थानाध्यक्ष कसया को पत्रक देकर कार्रवाई की मांग किए है। उप जिलाधिकारी कसया व थानाध्यक्ष को दिए तहरीर में शिवपुर बुजुर्ग निवासी राधेश्याम गुप्ता, नागेंद्र मद्धेशिया, शंभू मद्धेशिया, सुनील कुमार, विवेकानंद आदि लोगों ने आरोप लगाया है कि गांव में सार्वजनिक रास्ते पर राजेंद्र, सुरेश स्व. मोतीलाल आदि लोगों द्वारा पक्की सीढ़ी का निर्माण कराया जा रहा है। मना करने पर उक्त लोग मारपीट पर उतारू हो जा रहे है। सार्वजनिक रस्ते पर अवैध तरीके से अतिक्रमण करने पर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

सुंदर दिखने लगा सीता कुंड धाम

सुल्तानपुर। गोमती मित्र मंडल परिवार ने जिस धैर्य के साथ विगत 12 वर्षों से मुख्य तौर पर श्री सीताकुंड धाम की स्वच्छता, सुरक्षा, सुंदरता के लिए तन–मन–धन से प्रयास किया उसका परिणाम अब नगर वासियों को स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। नगर ही नहीं पूरे जनपद में किसी के यहाँ अगर नातेदार रिश्तेदार आते हैं और पूछते हैं कि सुल्तानपुर में कुछ देखने लायक है तो मुख्य तौर पर सभी श्री सीता कुंड धाम का ही नाम लेते हैं और यह गोमती मित्रों की बहुत बड़ी सफलता है। यहां तक कि स्थानीय पर्वों पर या बड़े स्नान पर्वों पर ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालु भी गोमती मित्रों की मेहनत के आगे नतमस्तक होते दिखते हैं।साप्ताहिक श्रमदान में अब नगर वासी भी शामिल होते हैं, रविवार 17 नवंबर को होने वाला साप्ताहिक श्रमदान मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, संत कुमार प्रधान, राकेश सिंह दद्दू, पप्पू शर्मा, मुन्ना पाठक, मुन्ना सोनी, दिनकर प्रताप सिंह, ओम प्रकाश कसौधन, राजीव कसौधन, सुजीत कसौधन, सोनू सिंह, अनुज सिंह, श्याम, अर्जुन, अभय, आयुष, प्रांजल, आभास, यश आदि गोमती मित्रों की उपस्थिति के साथ संपन्न हुआ। श्रमदान के पश्चात उपस्थित नगर वासियों व श्रद्धालुओं ने मां गोमती के जयकारों से पूरे तट को गुंजायमान कर दिया।

जमाखोरी हुई तो होगी कार्यवाही

बल्दीरायध्सुल्तानपुर। बल्दीराय उपजिलाधिकारी गामिनी सिंगला (आईएएस) ने कहा कि यदि डीएपी खाद की ओवर रेटिंग (मूल्य से अधिक दाम) लिया गया या जांच में जमाखोरी की जानकारी मिलेगी तो तत्काल प्रभाव से कार्यवाही होगी।इन दिनो बल्दीराय तहसील क्षेत्र में डीएपी की किल्लत बरकरार है ऐसी स्थित में उपजिलाधिकारी महोदया ने जमाखोरो के खिलाफ सख्त हो गई है उन्होंने कहा कि इस समय गेहूं, धान, सरसों आदि की फसलों की बुआई का समय चल रहा है, समितियों या दुकानों पर खाद कम अनुपात मात्रा में उपलब्ध हो रही है, बीच बीच में जो भी स्टॉक उपलब्ध होता है उसको बंटवाया जा रहा है लेकिन शिकायत मिली है कि कुछ दुकानदार पहले से ही डीएपी स्टोर करके अधिक दामों पर किसानों को बेंच रहे है। ऐसे में तहसील स्तर के लाइसेन्स होल्डर दुकानदारों की सूची मंगवा कर जांच करवाई जाएगी किसानों से आधार भी मैच करवाया जाएगा अगर स्टॉक और बिक्री में मैच न हुआ तो तत्काल प्रभाव से कार्यवाही होगी।उपजिलाधिकारी की इस सख्ती से क्षेत्र के उर्वरक विक्रेताओ में हड़कम्प मच गया है।

आचार्य संगोष्ठी का हुआ आयोजन

सुल्तानपुर (आरएनएस)। सरस्वती विद्या मंदिर विवेकानंद नगर में अभिभावक आचार्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें छात्र–छात्राओं का उन्नयन कैसे हो इस पर विचार किया गया। आयोजित हुई संगोष्ठी में विद्यालय के कई शिक्षक – शिक्षिकाओं के साथ अभिभावकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए कि शिक्षा का विकास कैसे हो बच्चे कैसे आगे बढ़े और कैसे पढ़ें इन सब महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई कुछ अभिभावकों ने शिक्षा व्यवस्था पर लेकर अपने विचार भी व्यक्त किए , कार्यक्रम में कुछ छात्र–छात्राओं द्वारा गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए ।

निरीक्षण के दौरान बच्चों ने विधायक से की मौज

महोलीध्सीतापुर। विधायक शशांक त्रिवेदी ने नगर के कंपोजिट विद्यालय महोली का सोमवार को आकस्मिक निरीक्षण किया जहां पर परिसर में गंदगी देख नाराजगी जताई। मौके से ही अधिशाषीअधिकारी को फोन कर साफ सफाई कराए जाने के लिए निर्देशित किया।

इसके बाद विद्यालय के खेल मैदान पहुंचे जहां पर विद्यालय परिसर के ऊपर से निकली हाई टेंशन लाइन को देखा। शिक्षकों से इस बात जानकारी ली।विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि कई बार इस विषय को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों को लिखित सूचना दी जा चुकी है इसके बावजूद यह लाइन नहीं हटाई जा रही है।जबकि बच्चे इसी मैदान में मध्यान्य अवकाश के समय खेलकूद करते हैं।

जिससे खतरा बना हुआ है। विधायक ने मौके से ही एसडीओ विद्युत को विद्यालय के ऊपर से निकली हाई टेंशन लाइन हटाए जाने के निर्देश दिए।

इसके बाद कक्ष में पहुंचकर बच्चों से शिक्षा संबंधी कुछ प्रश्न पूछे जिनका बखूबी बच्चों ने जवाब दिया। जिस पर शिक्षकों की प्रशंसा की। इसके बाद बच्चों के साथ बैठकर हंसी ठिठोली की। बच्चों ने भी विधायक के साथ मौज मस्ती की।

किसान सम्मान निधि पाने के लिए फॉर्मर रजिस्ट्री

कुशीनगर।उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने बताया है कि कृषक बंधुओं को किसान सम्मान निधि प्राप्त करने के लिए फॉर्मर रजिस्ट्री तैयार कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में विस्तृत शासनादेश जारी हो चुका है। फार्मर रजिस्ट्री में किसान व उसके पिता का नाम, उसके स्वामित्व वाले सभी गाटा सं०, सह खातेदार होने की स्थिति में गाटा में किसान का अंश, मोबाइल नंबर आधार कार्ड संख्या व ई– केवाईसी का विवरण दर्ज किया जायेगा। किसानो का फार्मर रजिस्ट्री तैयार होने के बाद उन्हें सिर्फ पीएम किसान सम्मान निधि ही नहीं बल्कि के.सी.सी., फसल बीमा, एमएसपी, कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड जैसी योजनाओं का भी लाभ प्राप्त होगा। डिजिटल डाटा समय–समय पर अपडेट किया जायेगा। डिजिटल डाटा तैयार होने के बाद सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों को सीधे मिल सकेगा। कार्यक्रम का क्रियान्वयन दो चरणों में किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रथम चरण में 18 नवंबर से 25 नवंबर तक किसानों को स्वयं अपना रजिस्ट्रेशन करते हुए फार्मर रजिस्ट्री तैयार की जानी है। उक्त कार्य वेव पोर्टल भ्ज्ज्चेरूध्ध्न्चथ्त्. ।ळत्पैज्.।ह्ग्. ळव्ट.पद या मोबाइल ऐप थ्।त्डम्त् त्म्ळप्ैज्त्ल् न्च के माध्यम से किसान स्वयं या जन सेवा केंद्र से अपनी फार्मर रजिस्ट्री कर सकेंगें। दुसरे चरण में कैम्प मोड़ में अभियान 25 नवम्बर से 31 दिसंबर तक स्थानीय कार्मिकों लेखपाल, कृषि व अन्य विभाग के कार्मिक के माध्यम से चलाया जायेगा। सभी राजस्व ग्रामों में शिविर लगाकर लेखपाल, कृषि व अन्य विभाग के कर्मचारी एप के माध्यम से किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करेंगे।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी बिक्री की रोकथाम के संबंध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी नगर संतोष कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में हमराही टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर 01 व्यक्ति बाबादीन पुत्र श्यामलाल निवसी ग्राम भयापुरवा,चकवा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को 09 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया बरामदगी के आधार पर थाना को0 भिनगा पर मु0अ0सं0 0483ध्2024 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया।

विवाद में भाई–बहन को पीटा

महगांव, कौशाम्बी। संदीपन घाट थानाक्षेत्र के बक्कीपुर गांव में मंगलवार की दोपहर दबंग ने साथियों संग मामूली विवाद में युवक और उसकी बहन को लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया। चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बीच–बचाव कर मामले को शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर चार आरोपियों के खिलाफ मामले की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

चरवा थानाक्षेत्र के रैयादेह माफी गांव निवासी संदीप कुमार पुत्र बुदुल पासी मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता है।उसने बताया कि मंगलवार को वह अपनी बहन गुड़िया के साथ बाइक से शादी समारोह में शामिल होने के लिए संदीपन घाट क्षेत्र के बक्कीपुर गांव गया था।वह एक स्थान पर बाइक खड़ी करके जाने लगा।इसी दौरान गांव का एक दबंग अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और बाइक खड़ी करने को लेकर उसके

साथ गाली गलौज करने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर उन्होंने लाठी डंडे से उसकी पिटाई करना शुरू कर दिया।भाई को बचाने पहुंची उसकी बहन गुड़िया को भी पीट दिया। पिटाई से दोनों को काफी चोटें आई। शोर सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर चार आरोपियों के खिलाफ मामले की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

शराबी दूल्हा देख दुल्हन ने फेरे लेने से किया इनकार,लौटी बारात

महोलीध्सीतापुर। कस्बे के एक मोहल्ले में दुल्हन की दिलेरी देख लोग उसकी हिम्मत व जज्बे की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। वही मामले में क्षेत्रीय विधायक के हस्ताक्षेप की लोग सराहना कर रहे हैं मालूम हो कि कस्बे के भट्ठा मोहल्ला में संदीप मिश्रा की पुत्री सोनम का विवाह कुछ दिन पूर्व सीतापुर के अनुराग तिवारी के साथ होना तय हुआ था। संदीप की माली हालत ठीक न होने के चलते मोहल्ले व नगर वालों ने आर्थिक सहयोग भी दिया था। धीरे–धीरे विवाह की तारीख नजदीक आने लगी परिवारीजन विवाह की तैयारियों में जुट गए। रविवार को सीतापुर से बारात महोली कस्बे में आ गई। कन्या पक्ष ने बारातियों का जमकर स्वागत सत्कार किया इसके बाद वैवाहिक रस्मों की शुरुआत भी हो गई द्वारचार से लेकर खाने–पीने की व्यवस्था भी की गई। इसके बाद फेरे लेने का नंबर आया तो दूल्हे को पड़कर उसके साथी घर की दहलीज में लेकर आए। वह सही ढंग से खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। उसने अत्यधिक शराब का सेवन कर रखा था। ऐसा नजारा देख सोनम अपने भविष्य को लेकर चिंतित हो गई। हिम्मत जताकर उसने अपने पिता से शादी न करने की गुजारिश कर डाली।जिस पर नाते रिश्तेदार व मोहल्ले वालों ने एक बार उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन वह अपने निर्णय पर अडिग रही।आखिरकार परिजनों को शादी करने से मना करना ही पड़ा। बारातियों ने भी काफी मन मनौवल की। लेकिन कन्या पक्ष के लोग शराबी दूल्हा के साथ शादी करने के लिए तैयार नहीं हुए और बारात को बैरग वापस कर दिया। देर रात यह मामला विधायक के पास पहुंचा मौके पर पहुंचे विधायक ने परिजनों से मुलाकात की उसके बाद उनकी गरीबी देख परामर्श दिया कि कहीं नाते रिश्तेदारी में कोई लड़का आपकी नजर में हो तो उनसे बात करके शुभ मुहूर्त पर शादी संपन्न कराई जाए। आखिरकार नाते रिश्तेदारों ने विचार विमर्श कर क्षेत्र के ही रजवापुर गांव के एक रिश्तेदार से संपर्क किया जिस पर वह शादी करने के लिए तैयार हो गए और अपने लड़के को साथ लेकर परिवरीजन महोली कस्बे पहुंचे जहां पर देर रात दोनों का विवाह संपन्न कराया गया। सुबह बारात विदाई की रस्म के बाद कस्बे में लड़की की दिलैरी व विधायक के सही परामर्श की जगह–जगह पर चर्चाएं होने लगीं। हर कोई सोनम की दिलेरी व विधायक के परामर्श की सराहना करता रहा। आखिरकार दुल्हन ने अपनी हिम्मत को दिखाते हुए अपना जीवन बर्बाद होने से बचा ही लिया।

प्रयागराज-मुंबई रेल मार्ग भी कवच से होगा लैस, एनसीआर के 348 इंजन कवच से हो गए हैं लैस

प्रयागराज। दिल्ली–हावड़ा, दिल्ली–मुंबई रूट के साथ अब प्रयागराज–मुंबई रूट भी कवच से लैस होगा। उत्तर मध्य रेलवे की बात करें तो इरादतगंज से मानिकपुर तक 1640 करोड़ की लागत से तीसरी लाइन बिछाए जाने के साथ यहां कवच 4.0 को भी इंस्टाल किया जाएगा। इसके बाद इस रूट पर अन्य रेलखंडों पर संबंधित जोनल रेलवे द्वारा भी कवच को इंस्टाल किया जाएगा। ताकि निकट भविष्य में इस पूरे रूट पर ट्रेनों को अधिकतम 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलाया जा सके। महाकुंभ संपन्न होने के बाद उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इरादतगंज–मुंबई रूट पर कवच से जुड़े कार्य शुरू किए जाने की तैयारी है। एनसीआर में स्वचलित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली यानी कवच को कुछ जगह लगाया भी जा चुका है।

प्रयागराज के सूबेदारगंज में कवच लगा दिया गया है। पूरे जोन में तीन हजार किलोमीटर रूट पर कवच सबसे पहले लगेगा। इसके अलावा यहां से गुजरने वाली 700 से अधिक ट्रेनों में कवच का इंस्टालेशन होना है। बताया जा रहा है कि अखिल भारतीय स्तर पर कुल नौ हजार तकनीशियन की प्रशिक्षित टीम 10 हजार लोकोमोटिव इंजन में कवच लगाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। पहले एक लोकोमोटिव में कवच लगाने में कुल 14 दिन का समय लगता था लेकिन अब उन्नत तकनीक की वजह से एक दिन में ही यह इसके इंस्टालेशन की प्रक्रिया हो जा रही है।फिलहाल एनसीआर के 348 इंजनों में कवच इंस्टाल हो गया है।

मथुरा से पलवल के बीच 80 किमी लंबे रेलमार्ग पर कवच का ट्रायल भी हो गया है। अब दिल्ली–हावड़ा रूट के दिल्ली–कानपुर और कानपुर–प्रयागराज रेलखंड पर इसका कार्य हो रहा है। स्टेशन एरिया के रेलवे ट्रैक पर आरएफआईडी टैग्स, स्टेशनरी कवच यूनिट, ट्रैक के पास टावर एवं एंटिना लगाने का तकरीबन 75 फीसदी कार्य हो गया है। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी का कहना है कि कवच पर तेजी से कार्य चल रहा है। ट्रेनों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए यह जरूरी है।

प्रदर्शनी व विक्रय स्टाल

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय के प्रकाशन व कलाकृतियों की प्रतिकृतियों के प्रदर्शनी व विक्रय स्टाल को उ.प्र.राजर्शिटंडन मुक्त विश्वविद्यालय, फाफामऊ परिसर में लगाया गया प्रदर्शनी आम जन को आकर्षित करने में सफल रही और संग्रहालय के बूथ को लगभग 600 लोगों ने देखा, सराहा व खरीदारी की। संग्रहालय की तरफ डॉ नगीना राम, धीरेश जोशी, सुखी राम व अशर्फी लाल ने आयोजन में योगदान दिया।

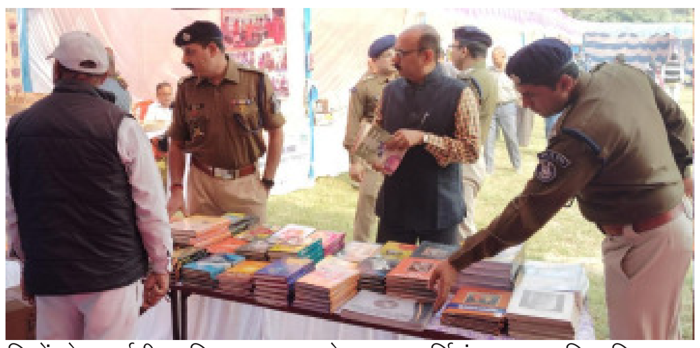

भवन सील किया गया।

प्रयागराज। जोनल अधिकारी के नेतृत्व में जोन–02 उपजोन–2ए के अन्तर्गत अमर, अमीन, पवन सिंह, सुमन मिश्रा, गया प्रसाद प्रजापति, राजनाथ तिवारी, राजेन्द्र सिंह एवं मनोज केसरवानी द्वारा स्थल मौजा देवघाट ग्रीन वैली पर किये जा रहें अवैध निर्माणों को सील किया गया।

एनसीआर महाप्रबंधक ने नवनिर्मित नियंत्रण कार्यालय का उद्घाटन किया।

प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने ऐतिहासिक पावन बेला, महाकुंभ– 2025 की तैयारी की श्रृंखला में दुनिया की सबसे अधिक भीड़ को नियंत्रित करने प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में नवनिर्मित नियंत्रण कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु बडोनी भी उपस्थित थे। नवनिर्मित नियंत्रण कार्यालय आधुनिक एवं श्रेष्ठतम तकनीकी से सुसज्जित किया गया है जो हर तरह से भीड़ को नियंत्रित करने मैं सक्षम और किसी भी आपात स्थिति से निपटने में पूरी तरह से सक्षम है । इस नियंत्रण कार्यालय में सिमुलेशन सिस्टम लगाया गया है जिससे प्रयागराज जंक्शन तथा अन्य स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से स्टेशनों पर उपस्थित भीड़ को लाइव नियंत्रण कार्यालय में देखा जा सकता है। किस प्लेटफार्म पर कितनी भीड़ है किधर किस दिशा में जाने वाली भीड़ है यह सब लाइव देखकर वहां के कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए जा सकते हैं। महाकुंभ नियंत्रण वार रूम में एक बड़े स्क्रीन पर 8 डिस्प्ले लगाए गए हैं । इन 8 डिस्प्ले में एक ही साथ एक समय पर आठ जगह के लाइव भीड़ को देखकर दिशा निर्देश जारी किया जा सकता है। इन आठ डिस्प्ले पर एक ही साथ आठ अलग–अलग मोमेंट किया जा सकते हैं। बोर्ड नियंत्रक के लिए स्टेशनों के डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं जिस पर किस स्टेशन पर क्या मूवमेंट हो रहा है इसे एक साथ लाइव देखा जा सकता है। लाइव डिस्प्ले में डीएफओआईएस से डीएफसी में चलने वाली माल गाड़ियों की लाइव लोकेशन ली जा सकती है और ब्लॉक सेक्शन में फेलियर या अवरोध को भी देखा जा सकता है। आधुनिक तकनीकी से सुसज्जित यह नियंत्रण कार्यालय किसी भी आपात स्थिति से निपटने में कारगर है। आधुनिक नियंत्रण कार्यालय के उपयोग से महाकुंभ में आने वाली भीड़ को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकेगा।

निगम ने अतिक्रमण मुक्त कराया।

प्रयागराज। पीडी टण्डन रोड से लेकर एकलव्य चौराहा होते हुए स्वामी विवेकानन्द चौराह व धोबीघाट चौराह, राणा प्रताप चौराहा, सरदार पटेल मार्ग, सुभाष चौराहा तथा खरमन्दा मार्केट तक नगर निगम, प्रयागराज द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी एवं दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी तथा कुल जुर्माना रू0–29,800/– शमन शुल्क वसूला गया। अतिक्रमण हटाने में थाना सिविल लाइन्स, प्रयागराज का सहयोग लिया गया। तथा इस सम्बन्ध में सिविल लाइन्स थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं.: पी आर वाइ जे-सिग-032-2024-25 दिनांक: 27.11.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं0: 032	अनुमानित मूल्य : ₹ 68,04,627/-
कार्य का विवरण: प्रयागराज डिवीजन में प्रमुख दूरसंचार उपकरणों जैसे कि प्रमुख एक्सचेंज/डेटालागर नियंत्रण कक्ष/नियंत्रण कक्ष के लिए आटो मैटिक फायर अलार्म सिस्टम का प्रावधान।	
बिड सिक्यूरिटी: ₹ 1,36,100/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 0.00
कार्य समापन की अवधि: 06 माह	निविदा खुलने की तिथि: 23.12.2024

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगें। निविदा खुलने का समय, तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 2052/24(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पहली बार प्रधानमंत्री गंगा पूजन कर महाकुंभ की करेंगे शुरुआत, 13 दिसंबर को आएंगे पीएम मोदी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को खुद गंगा पूजन कर महाकुंभ–2025 की शुरुआत करेंगे। ऐसा पहली बार होगा जब प्रधानमंत्री महाकुंभ आयोजन की शुरुआत करेंगे। इससे पहले आमतौर पर डीएम या मेलाधिकारी ही गंगा पूजन कर माघ मेला या कुंभ की शुरुआत करते रहे हैं। बुधवार को प्रयागराज आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी जानकारी देने के महाकुंभ एवं प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री 13 दिसंबर को प्रयागराज आएंगे। संगम से पहले उनका शृंग्वेरपुर धाम में कार्यक्रम प्रस्तावित है। वहां निषादराज पार्क, भगवान राम एवं निषादराज की गले मिलते प्रतिमा, घाट का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद अरैल पहुंचेंगे और वहां से निषादराज क्रूज से संगम आएंगे। संगम नोज पर आयोजित सभा में प्रधानमंत्री साढ़े छह हजार करोड़ रुपये लागत की 150 से अधिक निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री गंगा पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए क्विज की घोषणा की है। क्विज के जरिये युवा ऐतिहासिक विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का हिस्सा बन सकेंगे। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह उनका अमिट योगदान होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में युवाओं से कहा, यह आपके विचारों को सरकार के सर्वोच्च स्तर तक सुनने का एक बहुत ही विशेष अवसर है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का आयोजन अगले साल 11–12 जनवरी को होना है।

अलीगढ़ लोकसभा चुनाव की ईवीएम फुटेज और वीडियोग्राफी रखें सुरक्षित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को अलीगढ़ लोकसभा चुनाव की ईवीएम फुटेज और वीडियोग्राफी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने अलीगढ़ लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार चौधरी बिजेंद्र सिंह की याचिका पर दिया है। लोक सभा चुनाव 2024 में सपा उम्मीदवार बिजेंद्र सिंह ने याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनावों में भाजपा ने बेईमानी की है। मतगणना के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी कर उन्हें हराया गया है। इसे लेकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। उनके अधिवक्ता महमूद प्राचा व उमर जामिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये दलील दी कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की गई है। कहा कि ईवीएम के मौजूदा सेट में हैकिंग, छेड़छाड़ और नकली वोट नहीं डाले जा सकते, इसकी कोई प्रमाणित गारंटी नहीं है। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद चुनाव से संबंधित दस्तावेज (वीडियोग्राफी/सीसीटीवी फुटेज, फॉर्म 17–सी व अन्य दस्तावेज) चुनाव आयोग को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। साथ ही न्यायालय ने चुनाव आयोग से चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। अगली सुनवाई 27 जनवरी, 2025 को होगी। बिजेंद्र सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय बैलेट पेपर पर मतदान कराने और दोबारा मतगणना करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा के सतीश कुमार गौतम ने 5,01,834 वोट हासिल किए और 15,647 वोटों से जीत हासिल की। आरोप लगाया कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने 11 ईवीएम मशीनों के वोट नहीं गिने। 23वें से 28वें चरण की मतगणना में धांधली कर उन्हें हराया गया। इसकी जिला निर्वाचन अधिकारी को लिखित शिकायत की थी। वहीं, शहर कांग्रेस कमेटी के महासचिव इरशाद उल्ला ने भी धांधली के आरोप लगाते हुए दोबारा मतगणना की मांग उठाई।

डिजिटल कुंभरु मोबाइल पर 360 डिग्री व्यू में दिखेगा महाकुंभ मेले का नजाराय गूगल मैप के इस फीचर से मिलेगी सुविधा

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के प्रमुख स्थलों की लोकेशन गूगल मैप पर मिलने के साथ–साथ इस बार श्रद्धालुओं व पर्यटकों को एक और अनूठा व रोमांचक अनुभव प्राप्त होगा। वह कहीं भी बैठकर अपने मोबाइल पर महाकुंभ मेले के किसी भी स्थान का 360 डिग्री व्यू में नजारा देख सकेंगे। प्रयागराज विकास प्राधिकरण से हुए समझौते के तहत गूगल की ओर से यह सेवा दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की परेड स्थल पर हुई सभा में उप्र नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात से एमओयू पत्र का आदान प्रदान करने के बाद गूगल इंडिया के सिद्धार्थ कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमओयू के तहत यह पहली बार हो रहा है कि किसी अस्थायी शहर के लिए गूगल की ओर से नेविगेशन या अन्य कोई सुविधा दी जा रही है। इसके तहत महाकुंभ मेले के प्रमुख स्थलों जैसे मंदिरों, स्नान घाटों, पांटून पुलों आदि को गूगल मैप पर ट्रैक किया जा सकेगा। अब इसमें गूगल मैप के स्ट्रीट व्यू फीचर को भी जोड़ा गया है। इस फीचर के तहत कोई भी व्यक्ति मोबाइल पर ही किसी स्थान विशेष का नजारा 360 डिग्री व्यू में देख सकता है। इस फीचर के तहत अब महाकुंभ मेले के भी अलग–अलग स्थानों को 360 डिग्री व्यू में देखा जा सकेगा। यह सुविधा महाकुंभ मेला शुरू होने से पहले मिलने लगेगी। इसका फायदा यह होगा कि देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी बैठा व्यक्ति मोबाइल पर ही महाकुंभ मेले के रोमांच का अनूठा अहसास कर सकेगा। एंड्रॉइड मोबाइल पर गूगल मैप एप्लीकेशन खोलते ही आपको सर्च बार में महाकुंभ से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों का नाम टाइप करना होगा। इसके बाद बाएं तरफ नीचे की ओर स्ट्रीट व्यू आइकन वाले थंबनेल पर टैप करना होगा। ऐसा करते ही संबंधित स्थल के 360 डिग्री व्यू का नजारा देखा जा सकेगा। हालांकि, सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों के संबंध में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास, मेजा थाने में दर्ज कराया गया था मुकदमा

प्रयागराज। जिला न्यायालय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश राजेश कुमार पंचम ने विशेष लोक अभियोजक विनय कुमार त्रिपाठी व मनोज कुमार तिवारी को सुनकर दिया। पीड़िता के भाई ने 2014 में मेजा थाने में मनोज कुमार शुक्ला निवासी जिला हरदोई पर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग छोटी बहन का उसने 20 जून 2014 की सुबह अपहरण कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता आरोपी के घर से बरामद हुई थी। आरोपी ने अपने बचाव में कहा कि पीड़िता अपनी मर्जी से उसके साथ गई थी। दोनों आर्य समाज में शादी करके पति–पत्नी की तरह रह रहे थे। हालांकि, न्यायालय में पीड़िता नाबालिग साबित हुई। इस पर अदालत ने आरोपी को अपहरण, दुष्कर्म, पॉक्सो, एससी–एसटी एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

बीएचयू में छात्र की मौत का मामला :हाईकोर्ट ने पुलिसकर्मियों के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल करने के लिए दिया समय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीएचयू के छात्र की मौत के मामले में आरोप पत्र दाखिल करने के लिए राज्य सरकार की प्रार्थना को स्वीकार करते हुए समय दे दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने सौरभ तिवारी की जनहित याचिका पर दिया है। राज्य के वकील ने न्यायालय को बताया कि तीन दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध 18 सितंबर को अभियोजन की स्वीकृति राज्य सरकार ने दे दी थी। इसपर मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि मामले में दोषियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ कि नहीं। इस पर राज्य सरकार के अधिवक्ता ने समय मांगा। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को समय देते हुए अगली सुनवाई की तिथि चार दिसंबर निर्धारित कर दी। इन पर्सन याची अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने बताया कि बीएचयू में बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र शिव कुमार त्रिवेदी 13 फरवरी 2020 को संदिग्ध हालात में लंका थाना वाराणसी से लापता हो गया था। सीबीसीआईडी की जांच में पाया गया कि बीएचयू छात्र की मौत 15 फरवरी 2020 को रामनगर वाराणसी के यमुना पोखरी में डूबने से हुई। इसके बाद 16 अगस्त 2022 को मामले में आठ पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

महाकुम्भ से पहले बदल जाएगा रसूलाबाद घाट का नाम

प्रयागराज। महाकुम्भ से पहले रसूलाबाद घाट का नाम बदल जाएगा। इसका संकेत बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने दशाश्वमेध घाट और गंगा रिवर फ्रंट रोड के निरीक्षण करने के दौरान दिया। उन्होंने प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात व मेलाधिकारी विजय किरन आनंद को घाट का नाम बदलने का निर्देश दिया। निर्देश का ही असर रहा कि मौके पर मौजूद अधिकारियों के बीच इस बात पर चर्चा होनी शुरू हो गई कि रसूलाबाद घाट का नाम बदलकर मां गंगा से संबंधित कोई घाट किया जा सकता है। दशाश्वमेध घाट पर सीएम ने करीब पांच मिनट निरीक्षण के दौरान फ्रंट रोड का मानचित्र देखा, पक्के बने घाट पर रुककर मां गंगा का ध्यान लगाया। मेला क्षेत्र में बनाए जा रहे 30 पांटून पुलों की जानकारी पीडब्ल्यूडी के आला अधिकारियों ने उन्हें दी। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि नए नाम का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।

कृषि भूमि के भूउपयोग परिवर्तन को अब लेनी होगी अनुमति

प्रयागराज। प्राधिकरणों की ओर से अधिसूचित क्षेत्र में कृषि भूमि का भूउपयोग परिवर्तन के लिए अब प्रशासन को विकास प्राधिकरणों से अनुज्ञा लेनी होगी। प्रमुख सचिव पी गुरुप्रसाद ने प्रदेश के सभी मंडलायुक्त और जिलाधिकारी को कृषि भूमि के भूउपयोग परिवर्तन की अनुज्ञा लेने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत अब कृषि भूमि का भूउपयोग परिवर्तन के लिए आवेदन आता है तो प्रशासन प्राधिकरण से अनुमति लेगा। प्राधिकरण भी भूउपयोग की अनुमति देने से पहले देखेगा कि मास्टर प्लान में भूमि का क्या उपयोग प्रस्तावित है। यदि कृषि भूमि का उपयोग आवासीय प्रस्तावित है तो वहां व्यावसायिक उपयोग के लिए अनुमति नहीं मिलेगी। इसी प्रकार व्यावसायिक प्रस्तावित होने पर आवासीय की अनुमति नहीं मिलेगी। मास्टर प्लान में कृषि भूमि ही प्रस्तावित होने पर दोनों को अनुमति नहीं मिलेगी। अभी कृषि भूमि का भू उपयोग परिवर्तन करने के लिए प्रशासन प्राधिकरणों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेता है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव अजीत कुमार सिंह ने बताया कि नए आदेश का अनुपालन कराने के लिए प्रशासन को प्रयास करना होगा। अब भूउपयोग परिवर्तन का आवेदन आता है तो मास्टर प्लान देखने के बाद अनुमति दी जाएगी।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062